56. Burn Standard Co. Limited.

57. Container Corporation of India Ltd.

58. Indian Railway Finance Corporation.

59. Cotton Corporation of India Ltd.

60. Neyveli Lignite Corporation Limited.

61. Hindustan Aeronautics Ltd.

62. National Airports Authority of India Limited.

63. Bharat Gold Mines Limited.

64. Indian Petro-chemicals Corporation Limited.

65. Oil India Limited.

66. Hindustan Cables Limited.

67. Bharat Yantra Nigam Limited.

68. Lubrizol India Limited.

69. Rail India Technical and Economic Services.

70. Tyre Corporation of India Limited.

71 Balmer Lawrie and Co. Limited.

औद्योगिक अनुसंधान विकास के क्षेत्र में संसाधनों का जुटाया जाना

1709. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में औद्योगिक विकास के लिए औद्योगिक अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अब अधिक संसाधन जुटाने की आवश्यकता है ;

(ख) यदि हां, तो गैर-सरकारी क्षेत्र के उद्योगों में अनुसंधान कार्य के लिए वर्तमान में कुल पूंजीगत लागत की कितनी प्रतिशत राशि आवंटित की गयी है और सरकारी क्षेत्र के उद्योगों में अनुसंधान कार्य के लिए आवंटित धनराशि का अनुपात कितना है ;

(ग) क्या सरकार समुचित औद्योगिक विकास की दृष्टि से इस दिशा में विकास करने के लिए कोई योजना बनाने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (प्रो० एम०जी०के० मेनन) : (क) जी, हां । वर्तमान में, उद्योगों में 1200 से अधिक घरेलू (इन हाउस) अनुसंधान और विकास यूनिटें हैं जो वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग से वैध मान्यता प्राप्त हैं । भारत में, उद्योग में अनुसंधान और विकास हाल ही में प्रारंभ हुआ है और इसे प्रोन्नत और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है ।

(ख) मान्यता प्राप्त यूनिटों की टर्नओवर का अनुसंधान और विकास व्यय कुल मिलाकर 0.7 प्रतिशत है, अनुमानत: गैर-सरकारी क्षेत्रों के लिए यह अनुपात 0.8 और सरकारी क्षेत्रों के लिए 0.6 प्रतिशत है ।

(ग) और (घ) समुचित औद्योगिक विकास करने की दृष्टि से उद्योग में अनुसंधान और विकास को प्रोन्नत और प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बहुत से उपाय किए हैं और प्रोत्साहन दिये हैं, जो इस प्रकार हैं :—देशी प्रौद्योगिकी पर आधारित एमआरटीपी कंपनियों सहित उद्योगों के लाइसेंस प्रदान करने में अधिमानिक उपचार (साधन); और देशी प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक अनुसंधान व उपयोग पर किये व्यय के लिए राजकोषीय (फ़िस्कल) प्रोत्साहन । उद्योगों के अनुसंधान और विकास यूनिट जो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं से कोई समर्थन या सहयोग चाहते हैं, तो उन्हें प्रोत्साहित किया जाता

है और उद्योगों तथा राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के मध्य अंत: संबंध बढ़ाने के लिए उपाय किए गये हैं । यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

श्री अजिताभ बच्चन के स्विस बैंक खाते में लेन-देन पर रोक

1710. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्विस सरकार ने भारतीय व्यापारी, श्री अजिताभ बच्चन के बैंक खाते में लेन-देन पर रोक लगा दी है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राजा रमन्ना) : (क) और (ख) स्विस अधिकारियों ने बोफ़ोर्स सौदे में जांच के संबंध में स्विस बैंक के छह खातों पर रोक लगा दी है । खाताधारियों का अभी सही पता नहीं लगा है । 9-2-1990 को स्विस अधिकारियों को एक याचिका-पत्र (लेटर-रोगेटरी) दिया गया । आगे जांच चल रही है।

परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा 10,000 मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य

1711. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि परमाणु ऊर्जा आयोग ने इस शताब्दी के अंत तक देश में 10,000 मेगावाट विद्युत-उत्पादन का लक्ष्य निधारित किया है ;

(ख) यदि हां, तो 1990 तक देश के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र मे विद्युत-उत्पादन की कुल संस्थापित क्षमता कितनी है :

(ग) 1987-88 और 1988-89 वर्षों के दौरान परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विद्युत का कुल कितना उत्पादन किया गया था ; और

(घ) इस शताब्दी के अंत तक निधारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (प्रो० एम०जी०के० मेनन) : (क) जी, हां।

(ख) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में बिजली पैदा करने की वर्तमान में स्थापित क्षमता 1465 मैगावाट है ।

(ग) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में वर्ष 1987-88 और 1988-89 में क्रमश: 5035 और 5817 मिलियन किलोवाट घंटे बिजली का कुल उत्पादन किया गया।

(घ) इस कार्यक्रम के अंतर्गत तैयार किए गए ब्यौरे निम्नलिखित हैं :—

क्रमांक	कार्यान्वयन की स्थिति	बिजलीघर के यूनिटों की संख्या	क्षमता मेगावाट में
1.	प्रचालन अवस्था मे	7 यूनिट	1465
2.	निर्माणाधीन	7 यूनिट	1645
3.	निर्माण के लिए अनुमोदित	10 यूनिट	3940
4.	जिनका निर्माण करने का विचार है	6 यूनिट	3000
	जोड़	30 यूनिट	10050